

A

(Printed Pages 3)

Roll. No. _____

FA-1355

M.P.A. (First Year) Examination, 2015

TABLA

Paper-1

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note : Answer any **five** questions. **All** question carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान हैं।

1. Differentiate between the Vaadan Shailly of Delhi and Banaras Gharana describing the reasons behind the origin of Tabla.

तबले की उत्पत्ति के कारणों को स्पष्ट करते हुए दिल्ली व बनारस घराने की वादन शैली में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. Differentiate between Independent Tabla Vaadan of an examination and Stage performance of Tabla.

P.T.O.

(2)

मंचीय प्रदर्शन व परीक्षा के स्वतन्त्र तबला वादन में अन्तर स्पष्ट करें।

3. "The relation of an artist with his Gharana is reflected in his Vaadan shailly." Explain.

कलाकार का घराने से सम्बन्ध उसकी वादन शैली से दिखाई पड़ता है। सिद्ध करें।

4. Why is Sound, Costume and Expression important for a successful accompanist.

सफल प्रस्तुतिकरण के लिए क्यों आवश्यक है- ध्वनि, वेशभूषा व भाव प्रदर्शन?

5. Mention some points that are important for becoming a successful accompanist.

सफल संगतकार होने के लिए आवश्यक बिन्दुओं पर विचार लिखें।

6. Clearly explain the sequence of Solo and Sangat Vaadan.

स्वतन्त्र व संगत वादन के क्रम को स्पष्ट करें।

7. Write an essay on any **one** of the following artist describing his contribution in Tabla and

FA-1355

(3)

his Vaadan shailly:

(a) Ustad Karamat Ulla Khan

(b) Pandit Kanthe Maharaj

(c) Ustad Abid Hussain Khan

किन्हीं एक कलाकार के तबला में योगदान और उनकी वादन शैली के बारे में लिखिए :

(a) उस्ताद करामत उल्ला खाँ

(b) पं. कण्ठे महाराज

(c) उस्ताद आबिद हुसैन खाँ

8. Express your thoughts on the need and importance of Tabla in Music.

संगीत में तबला की आवश्यकता व महत्व पर अपने विचार लिखिए।

FA-1355